हाईस्कूल परीक्षार्थियों हेतु बोर्ड परीक्षा की तैयारी सम्बन्धी महत्वपूर्ण सुझाव

- माध्यमिक शिक्षा परिषद् की आधिकारिक वेबसाइट **upmsp.edu.in** पर पाठ्यक्रम एवं मॉडल प्रश्नपत्र उपलब्ध हैं, उनका भली भाँति अध्ययन करें।
- विद्यार्थी अपनी **स्वयं की समय सारिणी** अवश्य बनाकर पढ़ें जिससे सभी विषयों के निर्धारित पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति हो सके।
- यदि किसी भी विषय में कोई टॉपिक या अवधारणा स्पष्ट ना हो तो उसे ससमय विषय अध्यापक से सम्पर्क कर समझ लें।
- पुनरावृत्ति के साथ–साथ समय का प्रबन्धन अवश्य करें। इसके लिये माध्यमिक शिक्षा परिषद की **वेबसाइट पर उपलब्ध अपने विषय से सम्बन्धित मॉडल प्रश्नपत्रों** को **निर्धारित समय** में हल करने का प्रयास अवश्य करें।
- विषय से सम्बन्धित गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री/वीडियोज **'दीक्षा एप' एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल 'ई–ज्ञान गंगा'** पर उपलब्ध है। विद्यार्थी उनसे भी सहायता ले सकते हैं।
- **प्रश्न–पत्र दो खण्डों में विभाजित है–खण्ड 'अ'– बहुविकल्पीय प्रश्न, खण्ड 'ब'–वर्णनात्मक प्रश्न।**
- **बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ओ0एम0आर0 शीट पर तथा वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर परम्परागत उत्तर पुस्तिका पर देने हैं।**
- ओ0एम0आर0 शीट को उत्तर सुनिश्चित हो जाने के पश्चात् ही सावधानी पूर्वक भरें। ओवर राइटिंग एवं कटिंग न करें अन्यथा उस प्रश्न पर अंक नही मिलेंगे।
- सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को पढ़ लें, प्रश्नपत्र में दिये गये निर्देशों को अच्छी तरह समझने के पश्चात् ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।
- उत्तर पुस्तिका में **प्रश्न पत्र में दी गयी प्रश्न संख्या** को ही अंकित करें।
- **खण्डवार प्रश्नों के उत्तर खण्डवार** ही लिखें।
- प्रश्नपत्र में जिन प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट हो उसे पहले हल करें, समय नष्ट न करें।
- उत्तर पुस्तिका में कार्य स्वच्छता एवं स्पष्टता से करें।
- प्रश्नपत्र पूरा हल करने के पश्चात् सुनिश्चित हों लें कि आपके द्वारा प्रश्नपत्र में अंकित सभी प्रश्नों को हल कर लिया गया है।

कक्षा–10

विषय– हिन्दी

- हिंदी विषय के अन्तर्गत गद्य, पद्य, संस्कृत–खण्ड, व्याकरण, काव्य सौन्दर्य, खण्डकाव्य, निबन्ध एवं पत्रलेखन सम्मिलित है। परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए समय का उचित प्रबन्धन करके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का एकाग्रतापूर्वक पुनरावृत्ति करें एवं विषय को रटने के स्थान पर भली–भाँति समझ कर पढ़ें।

- निर्धारित काव्य का अध्ययन करते समय कविता में निहित काव्य सौन्दर्य के तत्वों (रस, छन्द, अलंकार) को रेखांकित करें और परिभाषा एवं उदाहरण का अभ्यास करें।

- गद्य के अन्तर्गत लेखकों की रचनाओं को पढ़ते समय प्रत्येक अध्याय के मूल भाव को समझें तथा सारांश, उद्देश्य एवं भाषा शैली को अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें।

- शब्द रचना के तत्व– उपसर्ग, परसर्ग, समास, पर्यायवाची, तत्सम शब्द, इत्यादि के नियम एवं परिभाषा को भली–भाँति समझ लें एवं अभ्यास करें, जिससे प्रश्नपत्र को हल करते समय व्याकरण एवं वर्तनी संबधी अशुद्धि का अभाव रहे एवं नए शब्द रचना और वाक्य गठन मे ंसहायता मिले।

- परीक्षा के पूर्व गत वर्ष के प्रश्नपत्र एवं आदर्श प्रश्नपत्र को निर्धारित समय के अन्तर्गत पूरा करने का अभ्यास करें।

- सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को पढ़ लें, प्रश्नपत्र में दिये गये निर्देशों को अच्छी तरह समझने के पश्चात ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक एवं स्पष्ट लिखें तथा प्रयास करें कि व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ न हों।

- उत्तर लिखते समय अंक के अनुरूप शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

- पद परिचय, वाक्य का स्वरूप, वाच्य एवं वाच्य परिवर्तन के नियम, विशेषताएं, प्रकार एवं निर्माण–प्रक्रिया को भली–भाँति समझ लें एवं उसका अभ्यास कर लें जिससे प्रश्नपत्र हल करते समय कठिनाई का सामना न करना पड़े।

- प्रश्नपत्र में दिए गए पत्र के विषय के अनुरूप प्रारूप एवं भाषा शैली का प्रयोग करें।
- लेखक एवं कवि का जीवन परिचय लिखते समय फ्लो चार्ट का प्रयोग करें, जैसे–

कबीर दास
जन्म– स्थान– माता पिता– भाषा शैली– मृत्यु– कृतियाँ–

- पैराग्राफ आधारित प्रश्न को हल करने से पूर्व एक से अधिक बार अवश्य पढ़ लें और प्रश्न को अच्छी तरह समझ कर ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- उत्तर लिखते समय व्याकरण के नियमों एवं विराम चिह्नों यथा– अल्पविराम, पूर्णविराम इत्यादि का सावधानी पूर्वक पालन करें।

- निबन्ध लिखने के लिए चयनित प्रकरण को कुछ प्रमुख बिन्दुओं में विभाजित कर लेना चाहिए जैसे– प्रस्तावना, विषय–विस्तार एवं उपसंहार इत्यादि। निबन्ध लिखते समय विचारों की क्रमबद्धता, भाषा शैली, समय एवं शब्द–सीमा का ध्यान अवश्य रखें तथा विषय से इतर भटकाव की तरफ न जायें।

- संस्कृत खण्ड पर आधारित अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद स्वच्छ, स्पष्ट एवं सुन्दर अक्षरों में लिखें।

- अपने जिले के लिए निर्धारित खण्ड काव्य के ही प्रश्नों का उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखें।

सामाजिक विज्ञान

- सामाजिक विज्ञान विषय के अन्तर्गत चार विषयों यथा **इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र एवं अर्थशास्त्र** का समावेश होता है। प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम का भली–भांति अध्ययन कर लें तथा उसकी पुनरावृत्ति अवश्य कर लें।

- पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करते समय प्रत्येक अध्याय के विभिन्न पृष्ठों पर बॉक्स में दी गयी विषयवस्तु का भी अध्ययन अवश्य करें।

- प्रत्येक अध्याय/प्रकरण/अवधारणा की पुनरावृत्ति करते समय उसके मुख्य बिन्दुओं को अभ्यास पुस्तिका में नोट करते चलें जिससे परीक्षा के समय उन्हें आसानी से दोहराया जा सके।

- पाठ्यपुस्तक में किसी प्रकरण/टॉपिक से सम्बन्धित **आरेख, चित्र एवं ग्राफ** आदि को भली–भांति समझ कर अध्ययन कर लें तथा परीक्षा में उत्तर लिखते समय यथावश्यक उनका प्रयोग करें।

- इतिहास उपविषय के अन्तर्गत **ऐतिहासिक घटनाओं** से सम्बंधित मुख्य बिन्दुओं को क्रमबद्ध रूप से संक्षेप में नोट करते हुए उनका लिखकर अभ्यास करें।

- **अर्थशास्त्र एवं भूगोल** विषय में **आंकड़ों** का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें एवं प्रश्नों के उत्तर देते समय यथावश्यक उसका उपयोग करें।

- **इतिहास एवं भूगोल** विषय में **निर्धारित मानचित्र** सम्बन्धी प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करें।

- भूगोल के मानचित्र सम्बन्धी प्रश्नों को दर्शाने के लिए प्रश्नपत्र में दिये गए चिह्नों का प्रयोग अवश्य करें।

- प्रश्न पत्र के वर्णनात्मक भाग में लघु उत्तरीय एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लिखते समय प्रश्न की प्रकृति व आवश्यकतानुसार फ्लो चार्ट (flow chart) का भी प्रयोग करें। उदाहरणार्थ –

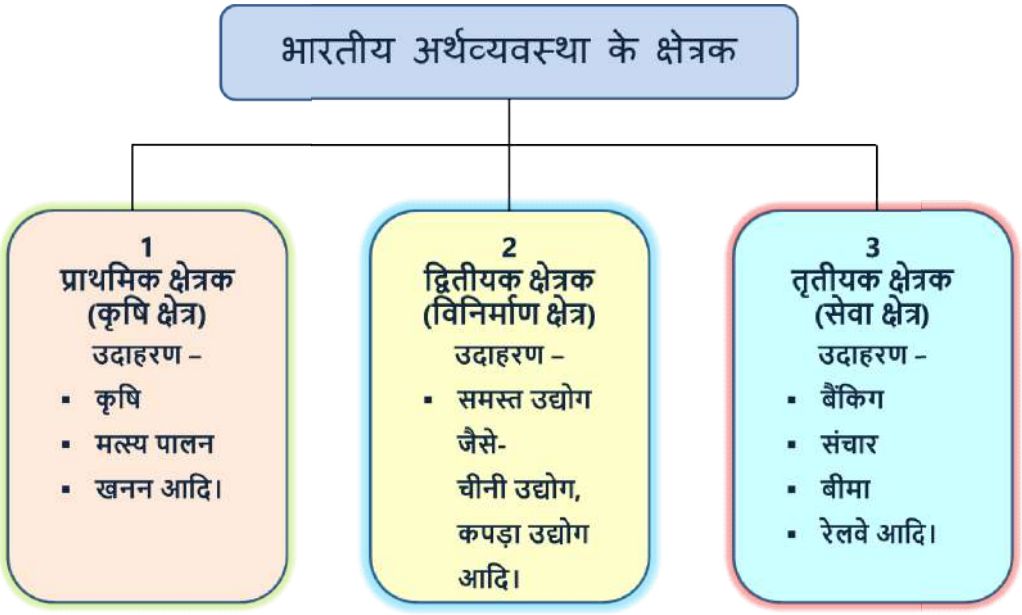

- प्रश्नों का उत्तर लिखते समय यथासम्भव **नामांकित चित्रों, रेखाचित्रों एवं आंकड़ों** का प्रयोग अवश्य करें। इससे आपके उत्तर अधिक प्रभावी होंगे।

- प्रश्नों का उत्तर लिखते समय **शब्द सीमा** का ध्यान अवश्य रखें, जिससे पूरे प्रश्नपत्र को हल करने के लिए समय का उचित प्रबन्धन हो सके।

- प्रश्न में जो अपेक्षा की गयी है उसी का उत्तर लिखें।

विषय–विज्ञान

बोर्ड परीक्षा की तैयारी में अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु सुझाव

परीक्षा से पूर्व की तैयारी हेतु सुझाव

1– विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम को पढ़े तथा स्व अध्ययन हेतु समय–सारिणी का निर्माण करें।

2– विगत वर्षो के बोर्ड परीक्षा के रसायन विज्ञान के प्रश्नपत्रों एवं मॉडल प्रश्नपत्रों के पैटर्न को समझें तथा उन्हें हल करने का प्रयास करें। मॉडल प्रश्नपत्र प्राप्त करने हेतु upmsp.edu.in वेबसाइट पर सम्पर्क करें।

3– अध्यायों में दिए गए प्रकरणों का बिन्दुवार नोट्स बनाए।

4– अध्याय में दिए गए सूत्रों को सूचीबद्ध करके याद करें ।

5– रसायन विज्ञान से सम्बन्धित अध्यायों में दिए गए समीकरणों को लिखकर संतुलित करने का अभ्यास करें।

6– अध्याय में दिए गए अभिक्रियाओं को उदाहरण सहित समझें।

7– अध्याय से सम्बन्धित प्रकरणों को फ्लोचार्ट बनाकर याद करें।

उदाहरणः–

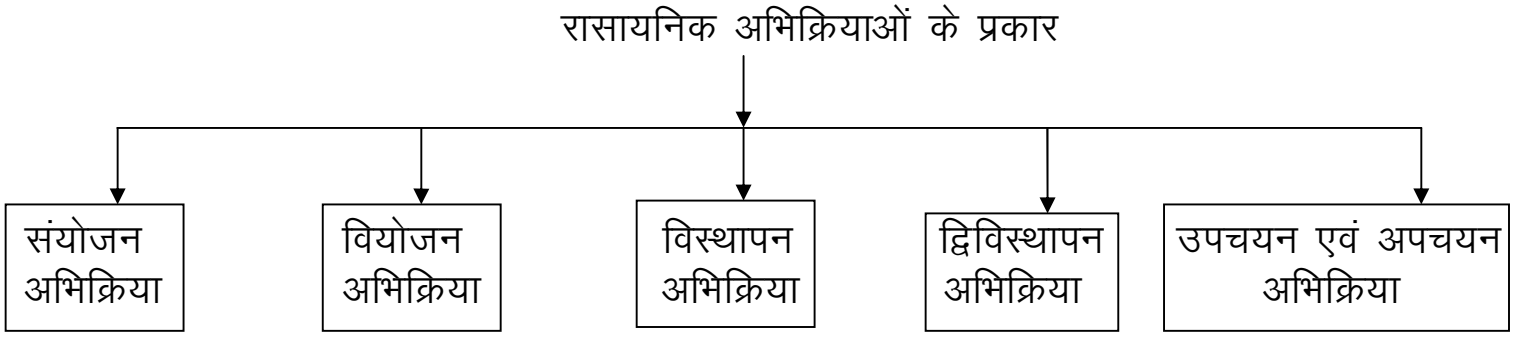

8– भौतिक विज्ञान से सम्बन्धित प्रकरणों के सूत्रों की सूची बनाये तथा आंकिक प्रश्नों को हल करने का अभ्यास करें।

9– प्रकरण से सम्बन्धित चित्रों को बनाने का अभ्यास करें।

10– तथ्यों को रटने के स्थान पर समझने का प्रयास करें।

11– उत्तर लेखन का अभ्यास करें।

12– अध्यायों को स्पष्ट रूप से समझने हेतु छात्र **'दीक्षा'** एप एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल **'ई–ज्ञान गंगा'** एप की सहायता ले सकते है।

परीक्षा कक्ष में ध्यान देने योग्य बिन्दु–

1– परीक्षा देते समय सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़े।

2– परीक्षा में प्रश्नों को खण्डवार हल करें।

3– उत्तर लिखते समय उपखण्डों तथा प्रश्नों की संख्या अवश्य लिखें।

4– परीक्षा में आंकिक प्रश्नों को हल करते समय प्रयोग किए जाने वाले सूत्र, प्रतीक, इकाई इत्यादि अवश्य लिखें।

5– परीक्षा के दौरान उ0पु0 में रासायनिक समीकरण लिखते समय ध्यान दें कि वह संतुलित हो तथा ताप, दाब, उत्प्रेरक वर्धक आदि का उल्लेख अवश्य करें।

6– उत्तरपुस्तिका में सुन्दर तथा स्पष्ट सुलेख से उत्तरों को लिखे।

7– शीर्षकों को लिखने के लिए काले तथा नीले स्केचपेन का प्रयोग करें।

8– चित्र बनाने तथा नामाकंन हेतु रंगीन पेंसिल का प्रयोग करें।

9– सर्वप्रथम सरल प्रश्नों को हल करें तत्पश्चात् कठिन प्रश्नों को करें।

10– समय का ध्यान रखते हुए प्रश्नपत्र को हल करें।

11– प्रश्नों के प्रकार के आधार पर उत्तर लिखें।

12– उत्तर को फ्लोचार्ट के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रयास करें।

13– उत्तर को लिखने के पश्चात् उत्तरपुस्तिका का पुनरावलोकन अवश्य करें।

14– छात्र उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखें।

विषय – गणित

सामान्य रूप से विद्यार्थी अन्य विषयों की अपेक्षा गणित को पढ़ना और लिखना कठिन मानते हैं। यदि गणित में निरन्तर अभ्यास किया जाय तो इसे सरल तथा सुगम बनाया जाता है। विद्यार्थियों हेतु गणित विषय की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण सुझाव निम्नवत् है–

- सर्वप्रथम गणित के पाठ्यक्रम को अपनी सुविधानुसार बचे हुये दिवसों में विभाजित कर लें, जिसमें कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा समय निर्धारित करें।
- अध्यायवार सूत्रों की सूची बनाकर अपने अध्ययन कक्ष में चिपका लें व उन्हें कण्ठस्थ करें।
- अध्याय से सम्बन्धित सभी नियमों एवं मुख्य बिन्दुओं को एक साथ नोट कर लें जिससे परीक्षा के समय रिवीजन करने में आसानी होगी।
- गणित में जो टॉपिक्स आपको सरल लगते हैं उन्हें सबसे पहले तैयार करें जिससे उन पर आपकी पकड़ मजबूत हो सके।
- परीक्षा से पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति एवं प्रत्येक टॉपिक से सम्बन्धित उदाहरणों एवं प्रश्नों को हल करने का निरन्तर अभ्यास अवश्य करें।
- गणित में ज्यामिति के सवालों में रचना से सम्बन्धित प्रश्नों की तैयारी करते समय तथा परीक्षा देते समय हमेशा नुकीली पेन्सिल का प्रयोग करें।
- त्रिकोणमिति में सर्वसमिकाओं को लिखकर याद करें।
- ऊँचाई एवं दूरी के सवालों में सम्बन्धित चित्र बनाकर हल करने का अभ्यास करें।
- विद्यार्थी पाठ्यक्रम से सम्बन्धित गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री हेतु '**दीक्षा एप**' एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल '**ई–ज्ञान गंगा**' पर उपलब्ध वीडियोज की भी सहायता ले सकते हैं।
- पुनरावृत्ति के साथ–साथ समय का प्रबन्धन अवश्य करें। इसके लिये माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट **www.upmsp.edu.in** पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र एवं विगत पाँच वर्षों के प्रश्नपत्र को निर्धारित समय में हल करने का प्रयास अवश्य करें।
- प्रश्नों को हल करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि आपने प्रश्न सही–सही उतारा है अथवा नहीं। कभी–कभी प्रश्नों में दी गयी संख्याओं को गलत लिख लेने के कारण पूरी प्रक्रिया सही होने के बाद भी उत्तर सही नहीं आता है और अंक कट जाते हैं।
- प्रश्नों को हल करने में आवश्यक सभी चरण (Steps) जरूर लिखें।
- प्रश्नों के हल को स्पष्ट करनें में आवश्यक चित्रों एवं ग्राफ का प्रयोग अवश्य करें।
- परीक्षा में उत्तर पुस्तिका में दोनों तरफ के पेज पर लिखें।
- रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ पर या दाहिनी ओर मार्जिन खींच कर करें तथा उस पर रफ कार्य अंकित करें। रफ कार्य करने के पश्चात् एक तिरछी रेखा से काट दें।

Class X

English

Some Useful Tips for Preparation of Board Examination

- Do check the latest syllabus and model paper on the official website of the UP Board i.e**.** **www.upmsp.edu.in**
- Make a time table to revise the whole syllabus thoroughly.
- Solving the model paper in the given time limit will be useful.
- Note down your doubts and difficulties and consult your teachers to resolve them timely.
- Also check the syllabus related quality content available on **DIKSHA** portal and **E-Gyan Ganga** Youtube channel**.** It would be quite beneficial.
- Follow the instructions to fill up the OMR sheet carefully.

As for different sections of the question paper the following precautions and preparations will be useful-

- **Reading** –
  - Revise with the workbook 'Words and Expressions'. It will help you a lot in practising unseen passages.
  - Read the given unseen passage in the question paper twice, carefully**.**
  - After the first reading, read the questions and then read the passage again.
  - Keep underlining the key sentences and words to locate the answers easily**.**
  - Write answers in your own words.
  - Never write irrelevant stuff.
- **Writing** –
  - Proper format of letters and application must be practised.
    Videos on **DIKSHA** portal and **E-Gyan Ganga** Youtube channel will be useful for letter, application and report writing.
  - Write only relevant content.
- **Grammar –**
  - Revise rules of parts of speech, narration, voice etc. through charts and tables, practise as many examples as possible.
  - Revise the exercises given in your textbook and workbook.
  - For translation you can take 4-5 line easy passage from the news papers. Mark the difficult words and expressions and consult your teacher timely to learn the correct words and expressions.

- **Literature –**
  - Learn the names of the lessons and writers carefully. Particularly their spellings. Revise them frequently.
  - Learn answers with key points. -E.g for Lencho's character sketch learn key points like- hardworking, firm believer in God, wise, optimist etc**.** It will help you remember the main points of the answers.
  - In the examination also you can write the key points in a box. It improves the presentability. Eg.

Lencho's Qualities

- Hardworking
- Firm Believer in God
- Wise
- Optimist.
- Innocent

Then explain the Key Points.

  - Learning poems wholeheartedly can fetch you good marks. Practise writing the central theme in your own words.
  - Think over and also discuss with your friends questions like 'giving a different ending to a story; imagining an incident from someone else's point of view or writing your own views on a given incident'. Note down the Key thoughts in your copy and revise them for exams. It will become easier to handle such questions in the examination.
  - Do follow and practise writing within the prescribed word limit.